वसन्त महिला महाविद्यालय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत
कृष्णमूर्ति फॉउण्डेशन इण्डिया, राजघाट फोर्ट, वाराणसी

वार्षिक प्रतिवेदन
2020–21

वाराणसी के प्राचीनतम् शिक्षण संस्थानों में एक वसंत महिला महाविद्यालय, (स्थापित सन् 1913) विश्वविख्यात संस्था ''कृष्णमूर्ति फाउण्डेशन इण्डिया'' के संरक्षण में संचालित है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से सम्बद्ध यह संस्था यूजीसी (UGC) के अधिनियम 1956 की धारा 2(f) एवं 12(b) के तहत मान्यता प्राप्त है। प्रख्यात् दार्शनिक जे. कृष्णमूर्ति की विचारधारा से अनुप्राणित यह महाविद्यालय भारत के महान विचारको जैसे डॉ0 एनी बेसेन्ट, श्री जे0 कृष्णमूर्ति तथा भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय इत्यादि की तपोभूमि है। स्त्री–शिक्षा की दिशा में उत्तरोत्तर विकासमान यह संस्था वैश्विक मनुष्य की संकल्पना के साथ मानवीय मूल्यों, करूणा, सहिष्णुता के भाव को पोषित करता है। वैश्विक संकट के मध्य यह महाविद्यालय अपने चिंतन में भगवान बुद्ध के ''*अप्प दीपो भव*'' के चिंतन को आत्मसात किए हुए है।

महाविद्यालय का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है। महाविद्यालय ने शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक गतिविधियों में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठा अर्जित की है। वर्तमान में यहाँ लगभग 2500 छात्र अध्ययनरत है। यह संस्था छात्राओं के समग्र विकास पर जोर देती है ताकि उन्हें वर्तमान चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा मिल सके। महाविद्यालय में देश के विभिन्न राज्यों जैसे बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, दिल्ली एवं उत्तर पूर्व भारत से छात्राएं अध्ययनरत है।

नए पाठ्यक्रमों का संचालन/अनुमोदन

महाविद्यालय ने सत्र 2020–21 से (अ) ऑफिस मैनेजमेंट एंड बिजनेस कम्युनिकेशन (पाई टाइम) (ब) सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन हेल्थ केयर मैनेजमेंट (पाई टाइम) (स) माइक्रोफाइनेंस एंड एंटरप्रेन्योरशिप (पाई टाइम) (द) पीजी डिप्लोमा इन जेंडर एवं वीमेन स्टडीज (फुल टाइम) स्ववित्तपोषित डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का संचालन शुरू किया है।

समझौता ज्ञापन

इस सत्र में, महाविद्यालय ने वसंत कन्या महाविद्यालय, डीएवी पीजी कॉलेज और आर्य महिला पीजी कॉलेज, वाराणसी के साथ शैक्षणिक संसाधनों के आदान–प्रदान, सम्मेलनों/कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में छात्राओं की भागीदारी के लिए समझौता ज्ञापनों को फिर से नवीनीकृत किया। महाविद्यालय ने एक गैर सरकारी संगठन ''मासूम मुस्कान सोसाइटी'', वाराणसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा महाविद्यालय ने 24–25 फरवरी 2022 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन **फ्यूचर ऑफ वीमेन' 2022** के सहभागी आयोजक के रूप में इण्टरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ नॉलेज मैनेजमेण्ट (प्रा.) लिमिटेड, श्रीलंका के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

आई0एस0ओ0 प्रमाणपत्र

महाविद्यालय को इस माह गुणवत्ता प्रबन्धन (ISO 9001:2015), पर्यावरण प्रबन्धन (ISO 14001:2015), एवं उर्जा प्रबन्धन (ISO 50001:2018) प्रणाली के मानको पर खरा उतरने हेतु अंतराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आई0एस0ओ0) द्वारा तीन प्रमाण पत्र प्रदान किए गए है जो महाविद्यालय की एक विशिष्ट

उपलब्धि है। आई0एस0ओ0 प्रमाणपत्र किसी भी संस्थान/संगठन की कार्यप्रणाली की विश्वसनीयता, दक्षता एवं अंतराष्ट्रीय गुणवत्ता के मानदंडो हेतु प्रदान किया जाता है।

अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला

17–18 अगस्त 2021: आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ द्वारा वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर ''**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: संभावनाएं और चुनौतियां**'' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता प्रो. लतिका शर्मा, शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, प्रो. जसराज कौर, विभागाध्यक्ष, शिक्षा और सामुदायिक सेवा विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, प्रो. पी0के0 साहू, पूर्व विभागाध्यक्ष और डीन, शिक्षा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रो. धनंजय यादव, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज थे।

31 जुलाई 2021: आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ द्वारा वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर **बौद्धिक संपदा अधिकार** विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता प्रो. राकेश रमन, अर्थशास्त्र विभाग, बीएचयू और श्री रोहित कुमार, वकील, नई दिल्ली थे।

30 जुलाई 2021: आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ द्वारा शिक्षकों के लिए ''**उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों को सलाह**'' विषयक एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता प्रोफेसर संदीप कुमार, मनोविज्ञान विभाग, बीएचयू थे।

29 जुलाई 2021: महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में '**महिलाओं के लिए कानूनी प्रावधान और सुरक्षात्मक उपाय**' विषयक एक दिवसीय ऑनलाइन कानूनी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो जी पी साहू, विधि संकाय, बीएचयू और श्री उत्कर्ष वर्मा, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, इंफोसिस, पुणे थे।

27 जून 2021: प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा '**विरासत संरक्षण**' पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता डॉ. सुभाष चंद्र यादव, क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग थे।

03 जून 2021: प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा '**ब्राह्मी लिपि का विकास**' पर एक दिवसीय वर्चुअल वेबिनार का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो0 सुमन जैन, पुरातत्व विभाग, बीएचयू थे।

14 अप्रैल 2021: अर्थशास्त्र विभाग द्वारा '**डॉ. अम्बेकर की आर्थिक दृष्टि और वर्तमान परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता**, विषयक एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता प्रोफेसर जे0बी0 कोमरैया, अर्थशास्त्र विभाग, बी0एच0यू थे।

27 मार्च 2021: वाणिज्य विभाग द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सहयोग से '**प्राथमिक बाजार और द्वितीयक बाजार का परिचय'** विषयक एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन। प्रमुख वक्ता सुश्री श्रीप्रिया सेंथीकुमार, वित्तीय विशेषज्ञ, अवोक इंडिया फाउंडेशन थीं।

1–14 मार्च 2021 : हिन्दी विभाग द्वारा महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में पंडित मदनमोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण अभियान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: भाषा एवं साहित्य शिक्षण के आयाम** विषयक द्वि साप्ताहिक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन।

25 फरवरी 2021: वाणिज्य विभाग द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सहयोग से ''**वित्तीय प्रबंधन और निवेशक शिक्षा**'' पर एक दिवसीय निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन। प्रमुख वक्ता अवोक इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री प्रवीण द्विवेदी थे।

07 फरवरी 2021: अंग्रेजी विभाग द्वारा आर्य महिला पीजी कॉलेज, चेतगंज, वाराणसी के सहयोग से ''**अनुसंधान के नए परिप्रेक्ष्य और अभिनव दृष्टिकोण**'' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय अंर्तवैषयिक वेबिनार का आयोजन।

29 जनवरी 2021: शिक्षा विभाग द्वारा ''**तनाव प्रबंधन''** विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. अंबा पांडे, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जेएनयू और स्वामी चिदानंद, ट्रस्टी, केएफआई थे।

21–28 दिसंबर 2020: राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा '**राजनीति में समकालीन बहस**' विषयक सात दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता डॉ. सुदेशना मुखर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, महिला अध्ययन केंद्र, बैंगलोर विश्वविद्यालयय प्रो. अभिनव शर्मा और प्रो. सोनाली सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग, बीएचयू, प्रो मनोज मिश्रा, समन्वयक, मालवीय शांति अनुसंधान केंद्र, बीएचयू थे।

08 अगस्त 2020: महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा ''**जेंडर और मानव सुरक्षा पर पुनर्विचारः एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य**'' पर अंतर्राष्ट्रीय वेब टॉक का आयोजन।

31 जुलाई–01 सितंबर 2020: अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ''**लिंग समानताः वर्तमान परिदृश्य में कुछ सामाजिक प्रतिबिंब**'' विषयक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वर्चुवल सम्मेलन का आयोजन।

20 – 24 जुलाई 2020: अंग्रेजी विभाग द्वारा वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर ''**अंतर की दुविधाः लिंग, शारीरिक राजनीति और नैतिकता में अनुसंधान परिप्रेक्ष्य**'' विषयक पाँच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन।

15.–16 जून 2020: अंग्रेजी विभाग द्वारा संस्कृत विभाग के सहयोग से ''**आध्यात्मिकता और धर्म के सिद्धांत को समझने में कर्म की भूमिका**'' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

12–13 जून 2020: संगीत विभाग द्वारा ''**एस्पेक्ट्स, ट्रेट्स एंड ट्रेंड्स इन परफॉर्मिंग आर्ट्सः एक अवलोकन**'' विषयक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन।

24–28 मई 2020: अंग्रेजी विभाग एवं अन्तर्राष्ट्रीय एसोसियेशन फॉर सोशल साइंस एण्ड ह्यूमेनिटीस, श्री लंका के संयुक्त तत्वाधान में ''**महामारी/महामारी के हमले में संघर्ष और अस्तित्व के मानवतावादी प्रतिनिधित्वः साहित्यिक शैलियों से परे**'' विषयक पाँच दिवसीय आनलाईन अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो0 अनिता सिंह, बीएचयू, प्रो0 रजनीश धवन, फ्रेशर वैली विश्वविद्यालय, कनाडा, प्रो0 नीरजा ए0 गुप्ता, प्रधानाचार्या, भवन कला एवं वाणिज्य विद्यालय, अहमदाबाद, प्रो0 रेखा सेठी, इन्द्रप्रस्थ कालेज फॉर वुमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ0 शैली भोईल, कवि एवं शिक्षाविद, ब्राजील,प्रो0 गेरिस हेरेन्डेन, वेस्लेयन विश्वविद्यालय, प्रो0 रानू उनीयाल, लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ0 जयदीप सांरगी, न्यू एलीपोर विश्वविद्यालय, कोलकाता, मिस निम्मी नलिका मेनिका, श्री लंका, श्री ईशंका पी0 गैमेज, श्री लंका थे।

शिक्षकों की गतिविधियाँ/उपलब्धियाँ

प्रो. अलका सिंह, अंग्रेजी विभाग को ''वर्ल्ड कांग्रेस ऑन वोमेन'' एवं गैर सरकारी संगठन ''मासूम मुस्कान सोसायटी'', वाराणसी द्वारा सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया गया। आपको ''फयूचर ऑफ वोमेन'' विषय पर आयोजित तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक समीक्षा समिति के सदस्य और Research Today: An International Peer Reviewed Referred Research Jounral of Humanities and Social Sciences (आईएसएसएन संख्याः 2319–6947) में संपादकीय समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया। आपको उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद द्वारा ''पूर्वांचल रत्न अलंकरण पुरस्कार 2020'' से सम्मानित किया गया। आपको मानविकी और सामाजिक विज्ञान अध्ययन परिषद, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा वाह्य विशेषज्ञ के रूप में भी नामित किया गया। आपको द इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, श्रीलंका द्वारा आयोजित 6वें ''वर्ल्ड कांग्रेस ऑन वोमेन्स स्टडीज'' में मूल्यांकन समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया एवं एशियन अफ्रीकन एसोसिएशन फॉर विमेन, जेंडर एंड सेक्शुअलिटी, श्रीलंका द्वारा कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

डॉ. बंदना झा, हिंदी विभाग को मैथिली अध्ययन केंद्र, कला संकाय, बीएचयू के सह–समन्वयक के रूप में तीन साल के लिए नियुक्त किया गया एवं भारत के राष्ट्रपति द्वारा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य के रूप में अगस्त 2021 से तीन साल के लिए नामित किया गया।

डॉ. वेद प्रकाश रावत, मनोविज्ञान विभाग को (1) कोविड–19 के दौरान भारतीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया, (2) प्रोफेसर अंशुमाली (राज्य संपर्क अधिकारी, उत्तर प्रदेश–एनएसएस) द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता नियुक्त किया गया और डॉ अशोक श्रोती (क्षेत्रीय निदेशक–भारत सरकार–एनएसएस) द्वारा कोविड 19 में ''मुस्कुराएगा इंडिया'' अभियान के दौरान आपको राष्ट्रीय सेवा योजना के सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी के रूप में सम्मानित किया गया।

डॉ. सुनीता आर्या, अंग्रेजी विभाग को एनसीसी अधिनियम 1949 18(5) के अनुसार लेफ्टिनेंट के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. सुभाष मीणा को अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी की आधिकारिक पत्रिका ''Personality and Individual Differences'' में सहकर्मी समीक्षक के रूप में नामित किया गया। (अक्टूबर 2020)

डॉ. रचना पांडे, अंग्रेजी विभाग ने 'आर्टिस्ट्स ऑन वर्क, आर्ट एंड सोसाइटी' विषयक अपने पेपर के लिए 25–26 फरवरी 2021 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''महिलाओं के भविष्यः वैश्विक आयाम, नई रणनीतियाँ और विजन'', में सर्वश्रेष्ठ लेख का पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. आकांक्षी श्रीवास्तव, मनोविज्ञान विभाग को लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा सर्वश्रेष्ठ पीएच.डी. के लिए प्रो. काली प्रसाद स्मृति अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

छात्राओं की उपलब्धियां

हर्षिता जायसवाल, बीए (तृतीय वर्ष), ने 6वीं एशियाई योग स्पोर्ट्स चौंपियनशिप 2021 में पहली रैंक हासिल की और 26 जून 2021 को सिंगापुर में ऑनलाइन आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय योग स्पोर्ट्स कप 2021 में दूसरी रैंक हासिल की।

जीनत कुरैशी, एमए (प्रथम वर्ष), प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व को द ब्लैक ट्रॉवेल कलेक्टिव माइक्रोग्रैंट्स (200 डॉलर), माइक्रोग्रांट्स 2020 से सम्मानित किया गया है।

अंजलि वर्मा, मनोविज्ञान विभाग, को इंपैक्ट एनालिटिक्स में एचआर एसोसिएट के रूप में नियुक्त किया गया। (08.02.2021)

रितिका रॉय, बीए, तृतीय वर्ष (अंग्रेजी ऑनर्स) को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (टीसीएसएल) में प्रशिक्षु बीपीएस के रूप में 12 महीने के लिए रु0 10,250 के वजीफे पर चुना गया। (26.07.2021)

सुनिधि शर्मा, बी.ए. (प्रथम वर्ष) ने उन्नत भारत अभियान में क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और सुश्री अपूर्वा श्रीवास्तव, बीए (प्रथम वर्ष) ने वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

सुप्रिया त्रिपाठी, बीए (प्रथम वर्ष) ने उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग, वाराणसी द्वारा आयोजित ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वैष्णवी सिन्हा, बी.कॉम, ने 'वर्तमान परिदृश्य में सुरक्षा और जागरूकता' पर प्रश्नोत्तरी में उत्कृष्टता पुरस्कार जीता (20 जुलाई 2020)।

श्रुति श्रीवास्तव, बी.कॉम, ने एलकॉम क्लब, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, एम.जे.पी. रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया (26–28 जुलाई 2020)।

अन्वेषा, हर्षा रॉय, प्रिया एवं रितु दास, अंग्रेजी विभाग ने इंजीनियरिंग में स्नातक योग्यता परीक्षा (गेट) 2021 उत्तीर्ण की।

Faculty Publication

- 2020, Prof. Alka Singh (Ed.), *Nature on Center Stage: A Collection of Short Stories in English and Hindi*, Varanasi: ABS Publication, 2020. ISBN. 078-84166-32-8.

- 2020, Prof. Alka Singh (Ed.), *Studies in English Literature: A Compendium of Colloquiums*, Germany: Scholars' Press, ISBN: 978-613-8-84008-4.

- 2021, Dr. Shashi Kala Tripathi, "मध्यवित्तीय पारिवारिक स्त्री की कश्मकश और सूर्यबालाँ", In *सोच विचार,* January Ed., Year 12, Vol. 7, Pg. 24 - 26, ISSN: 2319 – 4375

- 2020, Dr. Shashi Kala Tripathi, "पूर्णकालिक निबन्धकारः कुबेरनाथ राय', In *कुबेरनाथ रायः अनुशीलन और मूल्यांकन,* Edited by Mandhata Rai, Kolkata: Pratishruti Publication, ISBN: 9789384012 144.

- 2020, Dr. Bandana Jha 'Phanishwer Nath Renu Ki Kahaniyon Me Lok Rang', in *Gagnanchal*, May - August, New Delhi: ICCR, ISSN 0971-1430

- 2020, Dr. Bandana Jha, 'Vimarsh Se Ittar: Chitra Mudgal Ka Nala Sopara Upanyas ', in *Gveshna*, July-September, Agra: Kendriya Hindi Sansthan, ISSN 0435-1460.

- 2020, Dr. Bandana Jha, 'Vidyapati Ke Geeton Me Shiv Ka Swaroop', in *Shodh Sarita*, Vol. 7, Issue 28, Oct. –Dec. 2020, ISSN 2348-2397.

- 2020, Dr. Meenu Awasthi, आत्मकथा के संदर्भ में: अपनी खबर, In *शोध सरिता,* Vol.7, Issue 28, Oct. – Dec., ISSN: 2348 2397

- 2020, Dr. Manjari Shukla, "Toward a New Dawn*",* In *Reinvigorated Human Beings and Post Pandemic World, New Delhi: Bharti Publication, ISBN: 978-93-89657-52-4, 11 September.*

- 2020, Dr. Rachana Pandey, *Gender, Performance and Practices: Indian Theater and Society*, Germany: Scholars' Press, ISBN: 13: 978-613-884091-6, pp.140.

फेलोशिप / छात्रवृत्ति

शांति तथा विद्या फाउंडेशन, वाराणसी द्वारा महाविद्यालय के नौ छात्राओं को कुल रू0 77,741 की फेलोशिप प्रदान की गयी एवं **राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली** द्वारा संस्कृत विभाग के 12 छात्राओं को कुल रू 48000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। निम्नलिखित शोध विद्वानों को विभिन्न राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों ने राष्ट्रीय फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

क्रम सं0	शोधकर्ता का नाम	विषय	फैलोशिप विवरण	वित्तीय संस्था का नाम
1	अंजली वर्मा	मनोविज्ञान	डॉक्टोरल फैलोशिप	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
2	अनिता गुप्ता	हिन्दी	जूनियर रिसर्च फैलोशिप	यूजीसी, नई दिल्ली
4	लतेश कुंमारी	हिन्दी	जूनियर रिसर्च फैलोशिप	यूजीसी, नई दिल्ली

महाविद्यालय अपने संसाधनों / दान से प्राप्त धनराशि से जरूरतमंद मेधावी छात्राओं (स्नातक एवं परास्नातक) को छात्रवृत्ति प्रदान किया जिसका विवरण निम्न हैं –

क्र0 सं0	छात्रवृत्ति का नाम	धनराशि	छात्रवृत्ति संख्या
1	अच्युत पटवर्धन छात्रवृत्ति	500 / –प्रत्येक	89
2	वसंत महिला महाविद्यालय छात्रवृत्ति	5000 / – प्रत्येक	23
3	मीनाक्षी कृष्णा छात्रवृत्ति	5000 / – प्रत्येक	20
4	प्रेमा श्रीनिवासन छात्रवृत्ति	5000 / – प्रत्येक	07
5	प्रकाश नारायण शुक्ला एवं माधुरी शुक्ला छात्रवृत्ति (अंग्रेजी की छात्राओ के लिए)	5000 / – प्रत्येक	03
6	बी0एड0 मेधावी छात्रा छात्रवृत्ति	2600 / – प्रत्येक	02
7	डॉ0 आशा रानी / डॉ0 सरोज बागेश्वर छात्रवृत्ति (बी0एड0 एवं एम0एड0 के मेधावी छात्राओं हेतु)	5000 / – प्रत्येक	02
8	दर साहब छात्रवृत्ति	500 / – प्रत्येक	02
9	रॉय चौधरी छात्रवृत्ति	500 / – प्रत्येक	01
10	गिरी छात्रवृत्ति	500 / – प्रत्येक	01
11	जान्हवी वसुदेव छात्रवृत्ति	5000 / – प्रत्येक	01

कॅरियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल

23 दिसंबर 2020 को 'शिक्षण में करियर के अवसर' पर ऑनलाइन कॅरियर परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता श्री जितेंद्र कुमार, प्रधानाचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय, रायसेन, मध्यप्रदेश और श्री मनीष कुमार पांडे, टीजीटी, सामाजिक विज्ञान, केंद्रीय विद्यालय, मुगलसराय थे। 09 जनवरी 2021 को 'बैंकिंग में करियर के अवसर' पर एक दिवसीय ऑनलाइन कॅरियर परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक के सहायक उपाध्यक्ष श्री सौरभ सिंह ने छात्राओं को संबोधित किया। 11 जनवरी 2021 को ''आने वाले समय में अकादमिक उत्कृष्टता'' पर एक दिवसीय ऑनलाइन कैरियर परामर्श कार्यक्रम का आयोजन। प्रमुख वक्ता डॉ. राखी गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य संकाय, बीएचयू थी। 8 अप्रैल 2021 को 'सेल्फ स्टडी के साथ नेट क्रैक कैसे करें' विषय पर डॉ. लक्ष्मीकांत सिंह, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, डीएवी पीजी कॉलेज, वाराणसी ने व्याख्यान दिया।

शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए सुविधा

यूजीसी और एमएचआरडी के निर्देशानुसार, कॉलेज में शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए व्हील चेयर, रैंप और लिफ्ट एवं शौचालय का निर्माण किया गया है साथ ही भूतल पर उनकी कक्षाओं का प्रबंधन करने का प्रयास किया गया है।

सौर संयंत्र

महाविद्यालय में 10 केवीए सोलर प्लांट लगाया गया है जो प्रशासनिक भवन को बिजली प्रदान करता है।